Eight-Month-Old Infant Given a New Lease on Life After Successful Rare Surgery at KD Hospital

Pediatric Surgery Team Led by **Dr. Shyam Bihari Sharma** Successfully Removes Rare Congenital Sacrococcygeal Teratoma

Mathura | Health Correspondent

A Challenging Case

In a remarkable achievement highlighting excellence in pediatric surgery, the Department of Pediatric Surgery at KD Medical College Hospital & Research Centre successfully performed a highly complex operation on an eight-month-old infant suffering from a rare congenital tumor near the tailbone, medically known as Sacrococcygeal Teratoma (SCT).

The surgery was led by Dr. Shyam Bihari Sharma along with a multidisciplinary team. Following successful surgery and recovery, the infant was discharged in stable condition.

आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का के.डी. हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा के प्रयासों से मिली नई जिन्दगी

न्यूज स्पीक्स

मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अड्की टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद 29 जून को हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अड्की टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती-बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका। एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर के.डी. हॉस्पिटल आए तथा शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उतनी ही पेट के अंदर भी थी। डॉ. शर्मा ने बच्ची की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा द्वारा बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल तथा ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया। डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। अतः ऐसे बच्चों का हर तीन महीने में परीक्षण आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने बताया कि यह बातें बच्ची के माता-पिता को भी बता दी गई हैं। अब बच्ची स्वस्थ है तथा उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। डॉ. शर्मा ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ निकलती है तो उसे बिना विलम्ब किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

A Challenging Case

The infant, a resident of a village in Mathura district, was born with a swelling over the buttock region. The swelling increased gradually, causing discomfort. After unsuccessful consultations elsewhere, the family reached KD Hospital where detailed investigations revealed the tumor extended deep into the pelvis.

स्वदेश

आगरा - मुख्य संस्करण
04 Jul 2026 | Page - 2

आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का केडी हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

स्वदेश समाचार ■ मथुरा

केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अडूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती रहती थी। माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका। एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझकर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई। लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर केडी हॉस्पिटल आए तथा शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उतनी ही पेट के अंदर भी थी। डॉ. शर्मा ने बच्ची की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी और स्वीकृति के बाद बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कृशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल तथा ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा ने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है।

आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे बच्चों का हर तीन महीने में परीक्षण आवश्यक है। यह बातें बच्ची के माता-पिता को भी बता दी गई हैं। अब बच्ची स्वस्थ है तथा उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। डॉ. शर्मा ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ निकलती है तो उसे बिना विलंब किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके।

केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. श्याम बिहारी शर्मा एवं उनकी टीम।

Precision Surgery Saves the Child

Immediate surgery was advised. On 23 June, the tumor was carefully removed despite its close attachment to the urinary bladder and rectum. The operation was completed successfully without major complications.

Multidisciplinary Team

Lead Surgeon: Dr. Shyam Bihari Sharma Supporting Surgeons: Dr. Krusha Kapoor, Dr. Ankit Kapadia Anaesthesia: Dr. Shivangi Agrawal OT Support: Technician Shiva and nursing team

दैनिक परिहार गर्जना (15)

आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का के.डी. हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा के प्रयासों से मिली नई जिन्दगी

अलोक तिवारी

परिहार गर्जना न्यूज। मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अडूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद 29 जून को हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अडूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती-बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका। एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर के.डी. हॉस्पिटल आए तथा शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उतनी ही पेट के अंदर भी थी। डॉ. शर्मा ने बच्ची की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी।

परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा द्वारा बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कृशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल तथा ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। अत: ऐसे बच्चों का हर तीन महीने में परीक्षण आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने बताया कि यह बातें बच्ची के माता-पिता को भी बता दी गई हैं। अब बच्ची स्वस्थ है तथा उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। डॉ. शर्मा ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ निकलती है तो उसे बिना विलम्ब किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके।

के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

Understanding Sacrococcygeal Teratoma

- Rare congenital tumor near the tailbone.
- Can extend into the pelvic cavity.
- Early diagnosis improves outcomes.
- Delayed treatment increases complexity.
- Complete surgical removal is the standard treatment.

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. श्याम बिहारी शर्मा एवं उनकी टीम। ● हिन्दुस्तान

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन

मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अडूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद 29 जून को हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है। इससे पूर्व परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा द्वारा बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल तथा ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

दिल्ली न्यूज़7
सबके साथ सबकी बात
शनिवार, 4 जुलाई 2026 ई-मेल : dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.in

आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का के.डी. हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा के प्रयासों से मिली नई जिन्दगी

मथुरा (संवाददाता)।

के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अडूकी टाउनशिप निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद 29 जून को हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अडूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती-बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका। एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. श्याम बिहारी शर्मा एवं उनकी टीम।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर के.डी. हॉस्पिटल आए, तथा शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उससे ही पेट के अंदर भी थी। डॉ. शर्मा ने परजी की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी।

परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा द्वारा बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल और ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। अतः ऐसे बच्चों का हर तीन महीने में परीक्षण आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने बताया कि यह बात बच्ची के माता-पिता को भी बता दी गई है। अब बच्ची स्वस्थ है तथा उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। डॉ. शर्मा ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ दिखलाती है तो उसे बिना विलम्ब किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके।

के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके. अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

Expert Advice

Dr. Sharma advised that any abnormal swelling in children should be evaluated by a qualified specialist without delay to ensure early diagnosis and effective treatment.

आठ माह की मासूम को सफल सर्जरी से मिली नई जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अडूकी टाउनशिप निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, अडूकी निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती-बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया, लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका।

एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर केडी हॉस्पिटल आए, शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं, जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उससे ही पेट के अंदर भी थी। उन्होंने बच्ची की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल और ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। बच्ची या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ दिखलाती है तो उसे बिना देरी किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए, ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके।

केडी हॉस्पिटल में बच्ची के कूल्हे में गांठ का हुआ सफल ऑपरेशन

शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा के प्रयासों से मिली जिंदगी

बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम।

केडी हॉस्पिटल के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन किया। जन्म से गांठ की परेशानी झेल रही बच्ची अब स्वस्थ है। उसे 29 जून को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बच्ची के कूल्हे पर जन्म से बड़ी गांठ थी। इस कारण वह रोती रहती थी। कई चिकित्सकों को दिखाने के बाद भी बच्ची को राहत नहीं मिली। एक चिकित्सक ने गांठ को मवाद समझकर चीरा लगा दिया, जिससे उसकी तकलीफ बढ़ गई। बाद में गौरव और उनकी पत्नी बच्ची को लेकर केडी हॉस्पिटल पहुंचे। जांच में पता चला कि गांठ बाहर और अंदर दोनों तरफ फैली थी। डॉ. शर्मा ने तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की सहमति के बाद 23 जून को डॉ. शर्मा ने गांठ को सफलतापूर्वक निकाल दिया। यह गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी थी। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहते हैं।

Recovery & Outcome

- Complete removal of the tumor
- Preservation of urinary and bowel functions
- Smooth recovery
- Child discharged in stable condition
- Excellent long-term prognosis with follow-up

आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का केडी में सफल ऑपरेशन

मथुरा (छोटी सी बात)। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम ने अड़ूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव की आठ माह की बच्ची के कूल्हे की गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिन्दगी दी है। बच्ची के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद 29 जून को हॉस्पिटल से उसकी छुट्टी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अड़ूकी टाउनशिप मथुरा निवासी गौरव के घर आठ माह पहले बच्ची ने जन्म लिया। जन्म से ही उसके कूल्हे पर बड़ी गांठ होने के चलते वह हमेशा रोती-बिलखती रहती थी। बच्ची की परेशानी को देखते हुए माता-पिता ने उसे आगरा और मथुरा के कई जाने-माने चिकित्सकों को दिखाया लेकिन कोई भी बच्ची की परेशानी दूर नहीं कर सका। एक चिकित्सक ने तो गांठ को मवाद समझ कर उसमें चीरा लगा दिया, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई।

आखिरकार लोगों की सलाह के बाद 26 जून को गौरव और उसकी पत्नी बच्ची को लेकर के.डी. हॉस्पिटल आए तथा शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से मिले। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने बच्ची की कुछ आवश्यक जांचें करवाईं जिससे पता चला कि गांठ जितनी बाहर दिख रही थी, उतनी ही पेट के अंदर भी थी। डॉ. शर्मा ने बच्ची की बेहद कष्टदायी स्थिति को देखते हुए परिजनों को तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की स्वीकृति के बाद 23 जून को शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा द्वारा बच्ची का ऑपरेशन कर गांठ को निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि गांठ मूत्र की थैली और मलद्वार से चिपकी हुई थी, जिसे निकालने में काफी सावधानी बरती गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस परेशानी को सेक्रोकोक्सीजियल टेरेटोमा कहा जाता है। ऑपरेशन में डॉ. श्याम बिहारी शर्मा का सहयोग डॉ. कुशा कपूर, डॉ. अंकित कापड़िया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. शिवांगी अग्रवाल तथा ओटी टेक्नीशियन शिवा ने किया।

डॉ. शर्मा का कहना है कि आठ माह तक गांठ रहने से इसमें कैंसर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। अतः ऐसे बच्चों का हर तीन महीने में परीक्षण आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने बताया कि यह बातें बच्ची के माता-पिता को भी बता दी गई हैं। अब बच्ची स्वस्थ है तथा उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। डॉ. शर्मा ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि बच्चों या किसी अन्य को शरीर के किसी हिस्से में गांठ निकलती है तो उसे बिना विलम्ब किए चिकित्सक को दिखा लेना चाहिए ताकि कैंसर जैसी किसी सम्भावना से बचा जा सके। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई देते हुए बच्ची के स्वस्थ-सुखद जीवन की कामना की है।

Leadership Appreciation

Chairman Manoj Agrawal, Dean & Principal Dr. R. K. Ashoka, and Medical Superintendent Dr. Gagandeep Singh congratulated the surgical team and reaffirmed the hospital's commitment to advanced patient care.